میں نے 1947 سے پہلے کی واجپئی دیکھی ہے۔ کبھی تا ہے سیاسی مخالفت میں۔ لیکن جب دونوں کے معاملے آئے سامنے۔ جانتے معاملے اتنے تھے تو جو سیاسی مسئلہ ان دو سے کو دونوں مناتا میں دو سے کی مدد کرنے کی کوشش کرتا تھا۔ اب وہ وقف ادیان ہوتی رہی ہیں اور میں تو بہت بھاری دل کے ساتھ یہ کہنا چاہتا ہوں کہ وہ وقع ادیان وہ خوبصورتیاں جو ہمارے رشتہ میں رہنی چاہئیں میں انہوں نے دور ہو لانا چاہیے۔

رام داس جی کی حمایت میں مجھے کچھ نہیں کہنا ہے۔ رام داس جی خود ہی اگر بات کر سکتے ہیں۔ گذ وے جی کہا کہ میرے بلیے کمیٹی میں یہ سوال جائے گا تو اسکے بارے میں میں کچھ نہیں کہنا چاہتا کیونکہ میں خود اپنے ساتھ میرے بلیے کا ممبر ہوں لیکن احمد پٹیل صاحب کا نام جسطرح سے بیچ میں آیا ہے میرے بس میں نہیں کہ میں اس تمام ہما ئیکل کو ریموس مردوں میری سمجھ میں نہیں آ رہا اور مجھے افسوس ہے کہ یہ لوگ اپنے رشتوں کو اچھا نہیں کر سکتے۔ میرے بلیے کے بارے میں آپ نے کہا ہے۔ ماورس نے کہا جو کچھ کہنا ہے۔ رام داس جی سے سپلیمنٹری انیکس مانگنا ہے اس لیے مانگا جائے گا۔ مگر میرے خیال سے اس راستے پر چلکر اس کا کوئی حل نہیں نکل سکے گا۔ اگر ہم احمد پٹیل صاحب کے ساتھ جو واقعہ گذرا ہے اسکو مثال بنا کر اپنے رشتوں کو مہذب رشتہ بنا سکتے ہیں ایک ماورس کا ممبر بن کر تو میں اسکو بہتر سمجھوں گا شکریہ۔

"ختم شد"

THE MAULANA AZAD NATIONAL URDU UNIVERSITY BILL, 1995.

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPTT. OF EDUCATION AND DEPTT. OF CULTURE) (KUMARI SELJA): Madam, I beg to move for leave to introduce a Bill to establish and incorporate a University at the National level mainly to promote and develop Urdu language and to impart vocational and technical education in Urdu medium through conventional teaching and distance education system and to provide for matters connected therewith or incidental thereto.

The question was put and the motion was adopted.

KUMARI SELJA: Madam, I introduce the Bill.

श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार) : मैडम, इस का स्वागत करते हुए यह कहना चाहता हूं कि अब दो दिन और हाउस की बैठेगें है, अगर सरकार चाहे तो बातचीत कर के दो दिन के अंदर दोनों बिलों को पास कर सकती है। एक साथ ये हिंदी विश्वविद्यालय और उर्दू विश्व -विद्यालय के बिल आए हैं और मैं यह भी चाहता हूं कि गांधी जी की जयन्ती 2 अक्टूबर से ये दोनों विश्व-विद्यालय शुरू हो जाए। मैं चाहता हूं कि सरकार इस संबंध में सदन में आश्वासन दे।

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी: मैडम मैं भी अपने को इससे संबद्ध करता हूं।

उपसभापति: बिल तो आया ही नहीं अभी। एक और है—महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्व-विद्यालय बिल, 1995। उसे भी इंट्रोड्यूस हो जाने दीजिए। फिर दोनों पर इकट्ठा बोल दीजिएगा।

THE MAHATMA GANDHI ANTRARRASHTRIYA HINDI VISHWAVIDYALAYA BILL, 1995.

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPTT. OF EDUCATION AND DEPTT. OF CULTURE) KUMARI SELJA): Madam, I beg to move for leave to introduce a Bill to establish and incorporate a teaching University for the promotion and development of Hindi language and literature, through teaching and research, with a view to enabling Hindi to achieve greater functional efficiency and recognition as a major international language and to provide for matters connected therewith and incidental thereto.

The question was proposed

श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार) : मैडम, मैं इस का स्वागत करते हुए एक ही बात कहूंगा कि हिंदी विश्व-विद्यालय का बिल तो कम-से-कम हिंदी में इंट्रोड्यूस करना चाहिए था। इस से बढ़कर दुख की बात कुछ नहीं हो सकती है कि महात्मा गांधी हिंदी अंतर्राष्ट्रीय विश्व-विद्यालय पर यह बिल सदन के सामने रख रही हैं और वह भी अंग्रेजी में रख रही हैं। अगर वह हिंदी नहीं जानतीं तो मैं समझ सकता था। मैडम, इससे बड़ा विरोधाभास और क्या होगा? मैं चाहता हूं आप की आज्ञा से कि एक बार हिंदी में पढ़कर वह इस बिल को रखें।

1.00 P.M.

यह कितने विरोधाभास की बात है कि जब एक बिल पेश किया जा रहा है अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय का और वह भी उन्होंने अंग्रेजी में पेश किया। मैं चाहता हूं कि इसको हिंदी में करें। यह मेरा अनुरोध। ....(**व्यवधान**)...

कुमारी शैलजा : मैडम, मैं हिन्दी में कह देती हूं। ....(**व्यवधान**)...

SHRI PASUMPON THA. KIRUTTINAN: He cannot dictate to the Minister. Then we can also dictate to the Minister.

उपसभापति : अच्छा let the Bill be introduced.

शंकर दयाल जी, अब आप कहेंगे कि आप कहिए कि जो इसके पक्ष में हैं वह "हां" बोलें। ....(**व्यवधान**)...

प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा: मैडम, मैं इसके इंटरोडक्शन पर बोलना चाहता हूं।

उपसभापति: पहले इंटरोड्यूस तो हो जाए, उसके बाद बोल दीजिएगा।

The question is:

> "That leave be granted to introduce a Bill to establish and incorporate a teaching University for the promotion and development of Hindi language and literature, through teaching and research, with a view to enabling Hindi to achieve greater functional efficiency and recognition as a major international language and to provide for matters connected therewith or incidental thereto."

The motion was adopted.

KUMARI SELJA: Madam, I introduce the Bill.

उपसभापति: बोलिए मल्होत्रा जी, आप क्या कह रहे हैं।